

ASHA ARCHIVES

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

930

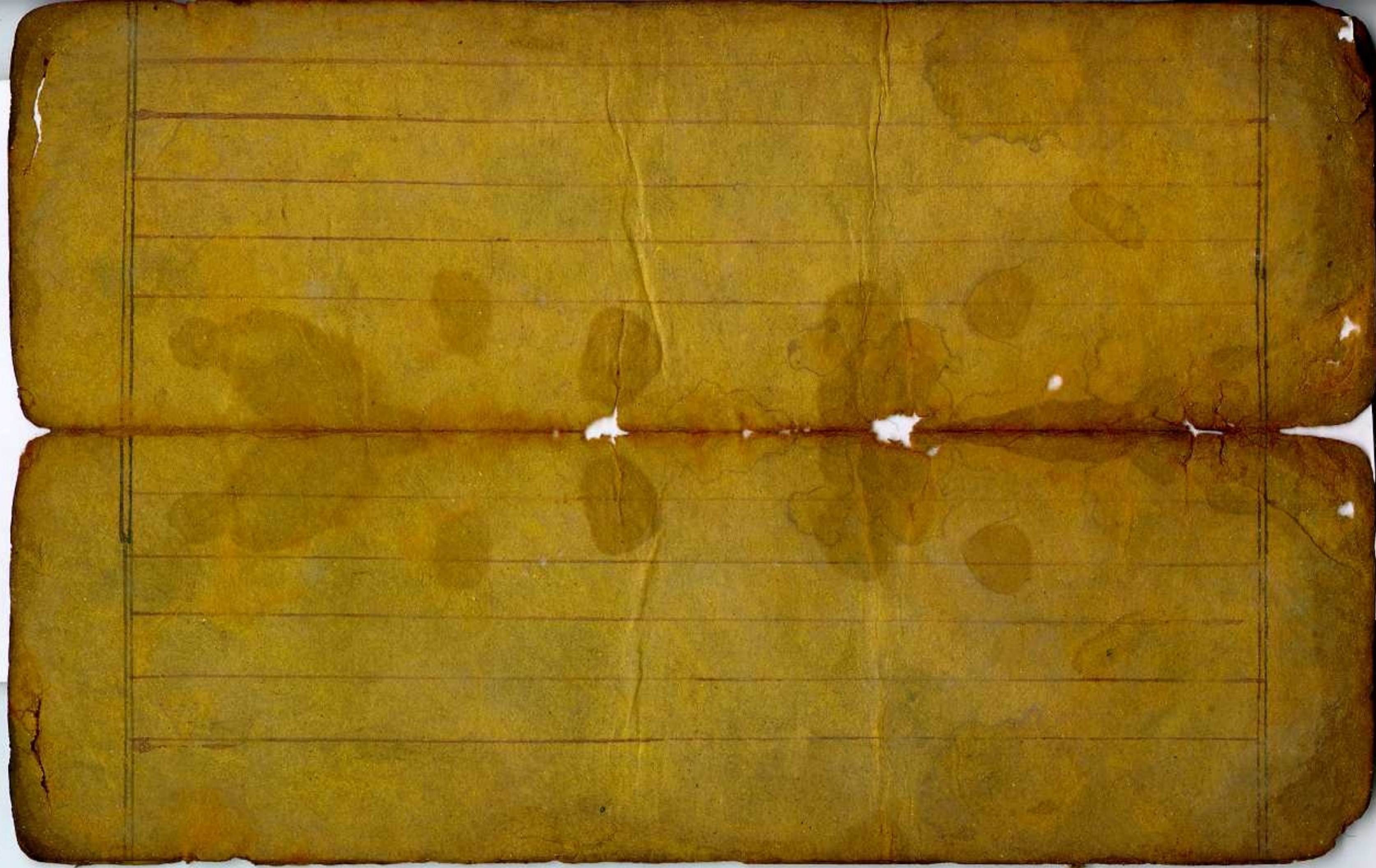
ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री विष्णवे नमः ॥ ॐ नमो
 भगवते ॥ हा द नो व यि डा ग म म च डा शा वि सो नि क ज ह द ना द
 ॥ हा ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥
 हा द क ॥ ॐ सहस्रनादि ॥ क स या नि ॥ हा ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥

[illegible]









ASHA ARCHIVES

930

ਗੁਰਮਤਿ ਮੰਤਰ

हामतरिकनरिकनयाष्टिवाप्रियंमुहंथंजात्रिकुः केवातलुकेनेधगर
नयाकाजत्रंइतजगजभूतधरिकनकाकाससथनइइयागजभिनक
याअतजिथिकमिसायाअतसांतजभिकडा॥ १४ ॥ गवक्रयाअत्रककसिप
त्रजक्रयानामकायाजअत्रपम्यकथइतचकअस्यंकागुसिवात्रिसंयान
सुतिदशयजगजअत्रककसिमकयकयात॥ १५ ॥ अयतहृतनियस

त्रुप्रतयाकाजत्रमिनवाताजतसंरासुक्रिथंतयकादिगयकातिडासुतिड
रितिजा॥ १६ ॥ त्रिदुकापियमिथतिनाअतयाकाजजानयनकाजनयस्य
मयाअसुत्ररितिजकासकात्रमरात्रयांरातिजकागुगदयांनका॥ १७
असुः वकाअत्रयागयाकाधतसाइइजनायनयत्रुकितायत्रककाकाति
जअमरनतात्रकाइजजानयमात्र॥ १८ ॥ रायननयाकापूजाकिजाकि

सिनागिसदि संका ॥ साधन न भ्राजात यश्च ॥ तयहिदि संका यथ ॥
४३ ॥ ॥ कयपुमिया लुसुतरि कनन भ्राजा साइइन
भ्राजा नय कसिम कया सयु नता ॥ ४० ॥ साक्यात भ्रत्रुं ग
जिसिगहाय सध्रि कसिमि धे साधन क्षतनाय सिथ जं सुका जं कय म
त्रि का कना ॥ कम गइयि ॥ ४१ ॥ ज्या मा र्थ या सा ता दा धन मि सइया

४२ ॥ ॥ साधन न भ्राजात यश्च ॥ तयहिदि संका यथ ॥
४३ ॥ ॥ कयपुमिया लुसुतरि कनन भ्राजा साइइन
भ्राजा नय कसिम कया सयु नता ॥ ४० ॥ साक्यात भ्रत्रुं ग
जिसिगहाय सध्रि कसिमि धे साधन क्षतनाय सिथ जं सुका जं कय म
त्रि का कना ॥ कम गइयि ॥ ४१ ॥ ज्या मा र्थ या सा ता दा धन मि सइया

यस्य नदयः ॥ ५५ ॥ कसत्रिंशत्सित्तराज नकुतययुत धृत सम
राग रादि जयाय विनद कया यधना सद्रं ॥ ५६ ॥ कयः
राजा नद कया रात इधनागि सा इद्र धृत समरागया का
माय नय विरात नद कया रा ॥ ५७ ॥ कसत्रिंशत्सित्तराज नकुतययुत
सरागया का जाकि सित्तरागि सदि संतान कसि सागा सदि जय विरय

त ॥ ५८ ॥ त्रिंशत्सित्तराज नकुतययुत धृत समरागया का
राग रादि जयाय विनद कया यधना सद्रं ॥ ५९ ॥ कयः
राजा नद कया रात इधनागि सा इद्र धृत समरागया का
माय नय विरात नद कया रा ॥ ६० ॥ कसत्रिंशत्सित्तराज नकुतययुत
सरागया का जाकि सित्तरागि सदि संतान कसि सागा सदि जय विरय

विगासयुगाय हाकाया जसूवाक्यमदुस्य सादक निहाय प्रवादक
मिहान जातिव्यागसथत्पुनतानं मूवाक्यिये ॥ १३ ॥ सिग्गात्र इडरुस
कात्रसगममूवाक्यमदुस्य सादक मदुज यांतनानं कद ॥ १४
॥ मूवाक्यमदुस्य सादक मदुज यांतनानं कद ॥ १५ ॥ सिग्गात्र इडरुस
कात्रसगममूवाक्यमदुस्य सादक मदुज यांतनानं कद ॥ १६ ॥

दिवाण इडरुस मूवाक्यमदुस्य सादक मदुज यांतनानं कद ॥ १७ ॥
माहातदुस्य सादक मदुज यांतनानं कद ॥ १८ ॥ सिग्गात्र इडरुस
कात्रसगममूवाक्यमदुस्य सादक मदुज यांतनानं कद ॥ १९ ॥
मिहान जातिव्यागसथत्पुनतानं मूवाक्यिये ॥ २० ॥ सिग्गात्र इडरुस
कात्रसगममूवाक्यमदुस्य सादक मदुज यांतनानं कद ॥ २१ ॥

अतिशालकृष्णगंधसिंमनसुध १ कोथकायात्रात उतिसिंमनसुध १
॥ ६ ॥ एतायातिगुडुयाकाक द्यादयाकाक धनसमरागभगापतिर
नसयास्यगयाजातिस्मययनयनसिंमनसुध १ कोथकायात्रात उतिसिंमनसुध १
अतिशालकृष्णगंधसिंमनसुध १ कोथकायात्रात उतिसिंमनसुध १
नयनसुध १ कोथकायात्रात उतिसिंमनसुध १

मनसिकेयुध १ कोथकायात्रात उतिसिंमनसुध १
॥ ७ ॥ एतायातिगुडुयाकाक द्यादयाकाक धनसमरागभगापतिर
नसयास्यगयाजातिस्मययनयनसिंमनसुध १ कोथकायात्रात उतिसिंमनसुध १
अतिशालकृष्णगंधसिंमनसुध १ कोथकायात्रात उतिसिंमनसुध १
नयनसुध १ कोथकायात्रात उतिसिंमनसुध १

कारि कृतन ज्ञाना ज्ञानस्य साक्षात् । इह संतः ॥ शिवननका निसद्वय ज्ञानि स
॥ ६४ ॥ कायिकेन सूनया द
॥ ६५ ॥ फलकौलि नितान्त अत्रा ज्ञानकवृ ज्ञानसा इह मता ज्ञानं ह्य अत्र
॥ ६६ ॥ मूलाया कृतिनिपातिरिमिदं ज्ञानि व्या । इति ज्ञानं तत्तुं यत्तु यम
॥ ६७ ॥ तंतु ज्ञानि ज्ञानं धसत यत्तुं ज्ञानं तत्तुं सति कमेत इति ज्ञानं

॥ ६८ ॥ तालया ताला विवि सित मित सित मिदं तु सितं तत्तुं सितं तत्तुं सितं
॥ ६९ ॥ तालया ताला विवि सित मित सित मिदं तु सितं तत्तुं सितं तत्तुं सितं
॥ ७० ॥ तालया ताला विवि सित मित सित मिदं तु सितं तत्तुं सितं तत्तुं सितं
॥ ७१ ॥ तालया ताला विवि सित मित सित मिदं तु सितं तत्तुं सितं तत्तुं सितं
॥ ७२ ॥ तालया ताला विवि सित मित सित मिदं तु सितं तत्तुं सितं तत्तुं सितं
॥ ७३ ॥ तालया ताला विवि सित मित सित मिदं तु सितं तत्तुं सितं तत्तुं सितं
॥ ७४ ॥ तालया ताला विवि सित मित सित मिदं तु सितं तत्तुं सितं तत्तुं सितं
॥ ७५ ॥ तालया ताला विवि सित मित सित मिदं तु सितं तत्तुं सितं तत्तुं सितं
॥ ७६ ॥ तालया ताला विवि सित मित सित मिदं तु सितं तत्तुं सितं तत्तुं सितं
॥ ७७ ॥ तालया ताला विवि सित मित सित मिदं तु सितं तत्तुं सितं तत्तुं सितं
॥ ७८ ॥ तालया ताला विवि सित मित सित मिदं तु सितं तत्तुं सितं तत्तुं सितं
॥ ७९ ॥ तालया ताला विवि सित मित सित मिदं तु सितं तत्तुं सितं तत्तुं सितं
॥ ८० ॥ तालया ताला विवि सित मित सित मिदं तु सितं तत्तुं सितं तत्तुं सितं

